शोध मंथन

हिन्दी शोध (पत्रिका)

शोध मंथन में समाज, साहित्य, कला, राजनीति, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गृहविज्ञान, पुस्तकालयविज्ञान, पत्रकारिता शिक्षा, कानून, इतिहास, दर्शन, महिला शिक्षा, महिला जगत, पुरूष, बाल जगत आदि के जुड़े विषय पर उत्कृष्ट, मौलिक, तरूपरक, वैज्ञानिक पद्धति से युक्त व प्रासंगिक उच्चस्तरीय शोधपत्रों को प्रकाशित किया जाता है।

सम्पादकः

डॉ0 (के0) अन्जुला राजवंशी,

एसो0 प्रो0, आर0 जी0 पी0जी0 कॉलिज, मेरठ

सम्पादकीय समिति

प्रो0 श्रीकांत मिश्रा, विभाग प्रमुख, दर्शनशास्त्र, ए पी एस विश्वविद्यालय, रेवा

डॉ0 सुनीता बडोला, एच0 एन0 ब0, गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर

डॉ0 विशेष गुप्ता, सेवार्निवित प्रो0, एम0एच0पी0जी0 कॉलिज, मुरादाबाद

डॉ0 सत्यवीर सिंह, असि0 प्रो0, समाजशास्त्र विभाग, चौ0 जी0 एस0 गर्ल्स डिग्री कालिज, सहारनपुर

डॉ0 विनोद कालरा, अध्यक्षा, हिन्दी विभाग, कन्या महाविद्यालय, जालन्धर

डॉ0 अनामिका, असि0 प्रो0, एन0 के0 बी0 एम0 जी0 पीजी कॉलिज, चंदौसी

डॉ0 पूजा खन्ना, असि0 प्रो0, मुरादाबाद मुस्लिम डिग्री कॉलिज, मुरादाबाद

डॉ0 कामना कौशिक, असि0 प्रो0ए सी0 एम0 के0 नेशनल पी0 जी0 गर्ल्स कॉलिज, सिरसा हरियाणा

श्रीमति कीर्थि देवी रामजतन, महात्मा गॉधी इंस्टीटयूट, मोरिश्यस

• **Managing Editor - Vishal Mithal**

• शोध मंथन त्रि–मासिक जर्नल है।

• शोध मंथन में पूर्व प्रकाशित लेख व पत्र प्रकाशित नहीं किये जाते।

• शोध मंथन के प्रबन्ध सम्पादक पूर्व निर्धारित हैं। यथा समय अतिथि सम्पादक चयनित किये जाते हैं।

• प्रकाशित सामग्री का कॉपी राइट जर्नल अनु बुक्स, मेरठ का है।

• अपना शोध पत्र प्रकाशित करवाने के लिये ई–मेल के द्वारा अपने पूर्ण पते के साथ भेजे।

• सम्पादकीय समिति का निर्णय अन्तिम होगा।

• **Authors are solely responsible for the any case of plagiarism.**

Published by ANU BOOKS in support of
KAILBRI INTERNATIONAL EDUCATIONAL TRUST
Printed by D.K. Fine Art Press Pvt. Ltd., New Delhi.

हमारे यहॉ लेख प्रकाशित करने का कोई मूल्य नहीं लिया जाता हैं।

Subscription

India	Rs. 750.00 प्रति अंक	Rs. 3000.00 वार्षिक
Foreign	$75.00	$ 300.00 वार्षिक

ISSN: (P) : 0976-5255 (e) : 2454-339X
Impact Factor 7.760 (SJIF)

शोध मंथन

हिन्दी शोध पत्रिका

A Peer Reviewed & Refereed International Journal in Hindi

Vol. XI No. 4 **Oct-Dec. 2020**

https://doi.org/10.31995/shodhmanthan

अनुक्रमणिका

59. **श्री लंका की रामलीला के प्रकार**
डॉ0 वजिरा गुणसेन 389–393

60. **उत्तराखण्ड़ में कृषि का विविधिकरण एक आर्थिक सूक्ष्म विश्लेषण**
डॉ0 महेश कुमार 394–402

61. **भारतीय समाज में महिलाओं की प्रस्थिति एवं चुनौतियॉ – एक समाजशास्त्रीय विवेचन**
डॉ0 (श्रीमती) मोहिनी मौर्य 403–414

62. **हिन्दी के प्रचार–प्रसार में प्रादेशिक हिन्दी सेवी संस्थाओं की भूमिका**
डॉ0 शालिनी सिंह 415–421

63. **कृपयाधारित क्षेत्र में महिला कर्मकारों की समस्यायें एवं अधिकार बनाम महिला सशक्तिकरण**
डॉ0 किरान फात्मा 422–424

64. **संवर्धित भारतः संपर्कित भारत**
डॉ॰ राकेश राय 425–433

65. **बहादुर शाह ज़फर की शायरी में राट्रीय चेतना**
डॉ0 समन ज़हरा ज़ैदी 434–439

66. **वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में गोस्वामी तुलसीदास जी के चिंतन की प्रासंगिकता**
डॉ0 अमर जीत सिंह परिहार, डॉ0 अरूणा सिंघल 440–444

67. **नारी जाति के उदारक के रूप में केशव चन्द्र सेन की भूमिका**
डा0 वन्दना सैम्लटी, श्रुति 445–448

68. **महात्मा गाँधी एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के दार्शनिक विचारों का तुलनात्मक अध्ययन**
डॉ0 अदिती गोस्वामी, श्रीमती आराधना कुमारी 449–453

69. **जल 'एक संकट'**
डॉ० अनिता प्रकाश, कु० विक्टोरिया 454–462

70. **हरियाणा राज्य में ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात में भिन्नता का स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण**
अल्का शर्मा, प्रो0 नूतन त्यागी 463–469

71. **सिद्धार्थनगर जनपद (उ0प्र0) में भूमि उपयोग प्रतिरूप**
जवाहिर लाल 470–477

72. **औपनिवेशिक भारत में आधुनिक शिक्षा का प्रभाव**
कंचन कुमारी 478–483

73. **कुपोषण एवं ग्रामीण समाज में संतुलित भोजन की आवश्यकता**
प्रियंका सिंह 484–491

74. **शारीरिक एवं व्यक्तित्व विकास में प्रोटीन का महत्व**
रूपा सिंह 492–495

75. **सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र–निर्माण**
सद्दाम हुसैन 496–501

76. **''प्रजा परिषद् के जम्मू–कश्मीर आन्दोलन में डॉ0 श्यामाप्रसाद मुकर्जी की भूमिका''**
संजीव कुमार 502–509

77. **महिला पुलिस : एक कल्याणकारी भूमिका**
सुमन कुमार 510–515

78. **कोरोना वायरस (कोविड–19) से सुरक्षा हेतु लगाये गये लॉकडाउन का भारतीय जनजीवन पर प्रभावः एक विश्लेषण**
स्वाति सक्सेना 516–522

79. **नारी की प्रजनन सम्बन्धी समस्याएंः चित्रा मुद्गल के उपन्यासों के विशेष सन्दर्भ में**
अमित जैन 523–535

80. लोकतान्त्रिक देशों में राजनीतिक सहभागिता बढ़ाने में जनसंचार माध्यमों की भूमिका
डा0 विकास चन्द वशिष्ठ, विजय कुमार 536–541

81. नगर में स्थित जलाशयों का भौगोलिक विश्लेषणः समस्यायें एवं चुनौतियॉ
विष्णु 542–550

82. मेवाड़ चित्रण परम्परा में नारी सौन्दर्य
कु0 रीना 547–557

83. मध्यकालीन भारतीय समाज में 'पर्दा प्रथा': मुगल काल के विशेष संदर्भ में एक विश्लेषण
डा0 प्रवीण चौधरी 558–562

84. वृद्धजनों के बीच पारिवारिक एवं सामाजिक अनुकूलन का एक अध्ययन
डा0 विशेष कुमार गुप्ता, कविता गुप्ता 563–569

85. भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था और चुनाव
सुरेन्द्र कुमार 570–581

86. राष्ट्रीय एकता में संगीत की भूमिका
डॉ0 संगीता गोरंग 582–586

87. प्रसाद के काव्य में सार्वभौमिक भावना और विश्व–मानवता के कल्याण के स्वर
डॉ0 कल्पना माहेश्वरी 587–591

88. संगीत और आध्यात्मिकताः ध्यान और योग में संगीत की भूमिका
डॉ0 शम्पा चौधरी 592–598